COURSE OUTCOME B.A.MUSIC (VOCAL & INST.)

COURSE

MUSA101-103TH ,102,104PR,201,203TH ,202,204PR, MUSIC801,803TH 802,804PR	विद्यार्थियों को इन कोर्सेज में कियात्मक एवं सैद्धान्तिक पक्ष की शिक्षा दी जाती है। इसके अंतर्गत इन्हें संगीत का प्राभिक ज्ञान जैसे अंलकार आरोह अवरोह संगीत का परिचय और संगीत के प्राचीन ग्रन्थों का ज्ञान थाट और उनसे उत्पन्न राग ,रागों की रचनाएं ,विभिन्न ताल तीन ताल , एक ताल , दादरा, कहरवा, रूपक ताल , झप ताल इत्यादि। लय, लयकारी, थाट जनक राग जैसे कल्याण भोपाली भैरव खमाज काफी रागों का सम्पूर्ण परिचय शास्त्रीय संगीतज्ञों का जीवन चरित जैसे तानसेन पंडित बी0डी0 पुलस्कर पंडित भातखंण्डे उस्ताद जाकिरहुसैन इत्यादि विभिन्न वाद्यों का प्रयोगात्मक एवं सैद्वान्तिक ज्ञान जैसे. सितार तानपूरा तबला हारमोनियम इत्यादि । घरानेदार गायकी एवं घरानों से सम्बन्धित कलाकारों का परिचय एवं उनकी संगीत में देन इत्यादि से परिचित करवाया जाता है।
SEC-MUSIC701.702.703, 704	इन कोर्सेज के अन्तर्गत संगीत के प्रयोगात्मक पक्ष को उजागर किया जाता रहा है जैसे उन्हे तानपूरा हारमोनियम सितार तबला इत्यादि को बजाना एवं उन्हे ट्यून करना सिखाया जाता है और उनके विभिन्न भागों से भी परिचित करवाया जाता है। तबले पर विभिन्न तालों के ठेके जैसे तीन ताल एक ताल कहरवा दादरा और शास्त्रीय संगीत पर आधारित फिल्मी गीतों का परिचय एवं प्रस्तुती । इसके अतिरिक्त लोक संगीत एवं सुगम संगीत की समूह में प्रस्तुति करवाई जाती है। छात्रों को विभिन्न सागीतिक सम्मेलनों एवं दूरदर्शन/आल इंडिया रेडियों इत्यादि में ले जाकर उनकी जानकारी एवं उन पर रिपोर्ट इत्यादि बनवाना और कलाकारों से रूहबरू करवाया जाता है। इसके अतिरिक्त नवीनतम प्रयोगात्मक संगीत में पॉवर प्वांइट प्रैसेन्टेसन द्वारा महान संगीतज्ञों के जीवन पर आधारित लघु फिल्म इत्यादि एवं शास्त्रीय संगीतज्ञों की प्रस्तुतियॉ दिखाकर विद्यार्थियों में शास्त्रीय संगीत के प्रति चेतना एंव रूचि को बढावा दिया जाता है।
GENERIC MUSIC 901TH 902PR	इन कोर्सेज के अन्तर्गत इन्टरफैक्लटी विद्यार्थियों को संगीत के कियात्मक एवं सैद्वान्तिक पक्ष का प्रारम्भिक ज्ञान दिया जाता है। जैसे स्वर,ताल,राग,अंलकार,आरोह,अवरोह,पकड इत्यादि एवं शास्त्रीय संगीतज्ञों के जीवन चरित्र एवं संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित करवाया जाता है।

Principal
Govt. Post Graduate College
Nagrota Bagwan (Kan...

Programme Specific Outcomes	वर्तमान मे देश विदेश में युवाओं मे म्यूजिक बैंड बनाने और परफार्म करने का ट्रैड जोर पकडता जा रहा है इस प्रकार के बैडज में वोकल आर्टिस्ट गायक और इस्ट्रूमैन्टल आर्टिस्ट वाद्य यंन्त्र कलाकार दोनो का ही समन्वयन होता है। स्कूलों, कालेजो, और अन्य छोटे स्तरों पर इस प्रकार के सैंकडो हजारों बैडस आज अस्तित्व में आ चुके है । म्यूजिक इंडस्ट्री :– इस उद्योग में कई प्रकार के म्यूजिक आधरित प्रोफेशनलो की अहम भूकि होती है, इनमें विशेष तौर पर म्यूजिक साफटवेयर प्रोगामर कम्पोजर ,म्यूजिशियन, जैसे कार्यकलापों के अलावा म्यूजिक बुकस की पब्लिशिंग, म्यजिक एलबम रिकार्डिंग ,म्यूजिक डीलर,म्यूजिक स्टूडियों के विभिन्न विभागों का उल्लेख किया जा सकता है। टेलीविजन :– मयूजिक एडिटर, साउंड रिकार्डिस्ट , प्रोडक्शन , आर जे0 एवं डी. जे0 म्यूजिक लाइसेंस में ऐसे जानकार और अनुभवी लोगों की जरूत पडती है। स्टेज परफार्मेंस :– म्यूजिक शो शास्त्रीय गायन, वादन,सुगम गायन, वादन, लोक संगीत गायन,वादन एकल एवं समूह टेलीविजन म्यूजिक प्रोग्राम म्यूजिक कम्पीटीशन आर्म्ड फोर्सेज बैंडज , सिंफनी आर्केस्ट्रा,डांसबैड, नाईट क्लब कंसर्ट शो , रॉक एवंज ैज ग्रुप इत्यादि मे भी इनकी भूमिका रहती है । म्यूजिक थेरेपिस्ट :– विकलांगता के शिकार बच्चों और लोगों के अलावा मानसिक तनाव से ग्रस्त व्यक्तियों के उपचार में आजकल संगीत का अत्याधिक महत्वपूर्ण स्थान होगया है। इनके लिए हस्पताल मैन्टल टस्थ सेंटरों नर्सिग होम्स इत्यादि में रोजगार के अवसर हो सकते हैं। टीचिंग :– म्यूजिक टीचर के रूप में स्कूलों कॉलेजों और अन्य संगीत प्रशिक्षण संस्थाओं में भी करियर बनाया जा सकता है इनमें विशेषता प्राप्त टीचर का अत्यधिक महत्व होता है इन विशेषताओं में खासतौर पर म्यूजिक थ्यरी म्यूजिक हिस्ट्री एंड लिटरेचर , म्यूजिक एजुकेशन , म्यूजिकोलोजी,इलेक्ट्रानिक म्यूजिक, कम्पोजिशन अथवा म्यूजिक थेरपी की बात की जा सकती है । इन सब के अतिरिक्त फिल्म इंन्डस्ट्री चर्च म्यूजिक, म्यूजिक अरेंजिंग, म्यूजिक साफटवेयर प्रोडक्शन , म्यूजिक वर्चुअल रिएलटी साउंड एंवायरनमेंट इत्यादि जैसी भी विधाओं में भविष्य बनाया जा सकता है।

Principal
Govt Post Graduate College
Nagrota Bagwan (Kangra)